JIWAJI UNIVERSITY, GWALIOR
Ph.D. Course Work
Advance in Sociology
2020-21

1(अ) समाजशास्त्र एक विज्ञान के रूप में तथा उसके अध्ययन के दृष्टिकोण
Sociology as a Science and Approaches of its study.

(1 Lecture of 90 min.)

(ब) संरचना–प्रकार्य तथा सामाजिक व्यवस्था
Structure-Function and Social System.

- सामाजिक संरचना का विचार – ए.आर. रेडक्लिफ–ब्राउन
  The Idea ofSocial Structure - A.R. Redcliffe-Brown
- भूमिका विश्लेषण की समस्यायें – एन.एफ. नैडेल
  The Problems of Role Analysis - N.F. Nadel.
- मानव प्रकृति एवं सांस्कृतिक विविधता – सी. लेवी–स्ट्रॉस
  Human nature and cultural diversity - C. Levis Strauss
- सामाजिक व्यवस्था के प्रकार्यात्मक आयाम – टी. पारसन्स
  Functional dimensions of Social System - T. Parsons

(4 Lectures of 90 min. each)

2(अ) संरचनाबाद एवं उत्तर संरचनावाद – एन्थनी गिडेन्स, माइकल फूको तथा जैक्स डेरिडा के विचार
Structuralsim and post-structuralism - Views of Anthony Giddens, Michael Foucault and Jacques Derrida

(2 Lectures of 90 min. each)

(ब) नव–मार्क्सवाद– जे. हेबरमास तथा अल्थ्यूजर के विचार
Neo-Markism- Views of J. Haberman and Althusser

(1 Lecture of 90 min.)

(स) नव–प्रकार्यवाद – जे. अलेक्जेण्डर
Neo-Functionalism - J. Alexander

(1 Lecture of 90 min.)

3. संघर्ष सिद्धान्त– कार्ल मार्क्स, आर. डेहरेन्डॉफ, लुईस कोजर तथा आर. कॉलिन्स के सिद्धान्त.
Conflict Theory- Theories of Kari Marx, R. Dharendorf, Luis Coser and R. Collins.

(2 Lecture of 90 min.)

अध्यक्ष
अध्ययन मण्डल समाजशास्त्र
जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

4. अंतःक्रियावादी परिप्रेक्ष्य
Interactionist Perspective

- प्रतीकात्मक अंतःक्रियावाद– जी.एच. मीड तथा हरबर्ट ब्लूमर
Symbolic Interactionism - G.H. Mead and Herbert Blumer

(1 Lecture of 90 min.)

- प्रघटनाशास्त्रीय समाजशास्त्र में विभिन्न दार्शनिकों का योगदान–
एडमंड हुसर्ल, अल्फ्रेड शुज, पीटर एल. बर्जर तथा थॉमस लकमैन
Contribution of Several Philosophers in Phenomanological Sociology
- Admund Hussrel, Alfred Schutz, Peter L. Berger and Thomas Luckmann.

(2 Lectures of 90 min.)

- नृजाति पद्धति शास्त्र – हेराल्ड गारफिंकल तथा इरविंग गॉफमैन
Ethnomethodology - Herald Garfinkel and Erving Goffman

(1 Lecture of 90 min.)

5. सैद्धान्तिक परिप्रेक्ष्य तथा भारतीय संदर्भ
Theoretical Perspective and Indian Context.

- भारत विद्या परिप्रेक्ष्य – जी.एस. घुरिये, लुईस ड्यूमा
Indological/Textual Persepctive - G.S. Ghurye, Lousi Dumont
- संरचनात्मक–प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य–एम.एन. श्रीनिवास, एस.सी. दुबे
Structural-Functional Perspective-M.N. Srinivas, S.C. Dube
- मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य – डी.पी. मुखर्जी, ए.आर. देसाई
Marxist Perspective - D.P. Mukherjee, A.R. Desai
- सभ्यतावादी परिप्रेक्ष्य– एन.के. बोस, सुरजीत सिन्हा
Civilizational Perspective- N.K. Bose, Surajit Sinha
- दलितवादी परिप्रेक्ष्य – बी.आर. अम्बेडकर, डेविड हार्डीमैन
Subaltern Perspective- B.R. Ambedkar, David Hardiman

(5 Lectures of 90 min. each)

अध्यक्ष
अध्ययन मण्डल समाजशास्त्र
जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)